Shodh Martand

ISSN- 2349-3844

Year -7	**July-December 2021**	**Volume –15**

SHODH –MARTAND

A PEER REVIEWED & REFEREED INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF HUMANITIES
(HALF-YEARLY RESEARCH JOURNAL)

RAGHUVEER MAHAVIDHYALAYA
RAGHUVEER NAGAR, THALOI,
MACHHALISAHAR, JAUNPUR U.P (INDIA)

AFFILETED
VEER BAHADUR SINGH PURVANCHAL UNIVERSITY
JAUNPUR (U.P.) (INDIA)

Principal-Editor
Prof. Ram Sewak Dubey

Chif Editor
Dr. Vinod Kumar Tripathi

Editer
Dr. Vinay Kumar Tripathi

Sub. Editors
Dr. Rajesh Kumar Tiwari
Dr. Santosh Kumar Upadhyay
Mr. Kripa Shankar Yadav

Shodh Martand

ISSN- 2349-3844

SHODH – MARTAND

A PEER REVIEWED & REFEREED INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF HUMANITIES

Year -7	July-December 2021	Volume –15

Contents

❖ सम्पादकीय

समसामयिक लेख

- वैश्विक स्तर पर कोरोना महामारी का शिक्षा पर प्रभाव
  डॉ0 विनय कुमार त्रिपाठी 01–03

शोध–पत्र :–

- अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के बालकों की विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन
  डॉ0 अरुण कुमार मिश्र व रंजना मिश्रा 04–12
- टेलीविजन न्यूज चैनल्स एवं सोशल मीडिया के अंतर्वस्तु का तुलनात्मक अध्ययन
  प्रो० राम मोहन पाठक व पंकज कुमार यादव 13–22
- 'स्मृति की रेखाएँ' संस्मरण का तात्त्विक अनुशीलन
  शिखा तिवारी 23–34
- अध्यापक शिक्षा में निर्देशन एवं परामर्श का प्रशिक्षण : समय की मांग
  डॉ0 जीतनारायण यादव 35–39
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 में अभिनव प्रयोग है अकादमिक बैंक आफ क्रेडिट
  डा. शैलेश मिश्र 40–45
- गीतरामायणम् में लोकगीतों का परम्परागत प्रयोग : एक अध्ययन
  इंदुजा दुबे 46–55
- साहित्य, संस्कृति और समाजः एक विश्लेषण
  अभिषेक मणि तिवारी 56–60
- तबले के नामकरण में विभिन्न मतों का विमर्श
  डॉ0 नरेन्द्र देव पाठक 61–66

ISSN- 2349-3844

- **महात्मा बुद्ध का धार्मिक चिन्तन और उनका लोकवादी स्वरूप**
  डा. सियाशरण त्रिपाठी 67–72
- **महाभारत कालीन कृषि एवं पशु–पालन उद्योग**
  डॉ0 अनिल कुमार 73–78
- **स्त्री शिक्षा पर रवीन्द्रनाथ टैगोर के शैक्षिक विचार**
  धर्मेन्द्र कुमार सिंह 79–84
- **A CRITICAL REVIEW ON CYBER TERRORISM**
  Dr. Rajeev Nain Singh & Shishir Kesarwani 85–93
- **Religious and Philosophical elements in fine frenzy by A.N. Dwivedi**
  Ramshankar Pathak 94–97
- **Social Realism in Kamala Markandaya's Novels - Nectar in a Sieve and A Handful of Rice**
  Mohd. Irfan 98–101
- **The Feminist Aspects of Shashi Deshpande's Novel - The Dark Holds No Terror**
  Jyoti Mishra 102–104

<u>पुस्तक समीक्षाः–</u>

- **प्रभात**
  डॉ0 विनय कुमार त्रिपाठी 105–107

ISSN- 2349-3844

सम्पादकीय

कोविड महामारी 21वी सदी की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। कोविड महामारी ने वैश्विक स्तर पर जीवन के हर क्षेत्र जैसे व्यावसायिक प्रतिष्ठान, शिक्षा, अर्थव्यवस्था, धर्म, परिवहन, पर्यटन, रोजगार, मनोरंजन, खाद्य सुरक्षा, खेल आदि को प्रभावित किया है। पिछले दशकों के दौरान भारत में जहाँ आर्थिक उन्नति देखी गई तो वहीं समाज व पर्यावरण के प्रत्येक घटकों में नकारात्मक परिवर्तन देखने को मिला है। कोविड महामारी ने तीव्र वृद्धि में रूकावट डालकर न केवल राष्ट्रीय स्तर बल्कि वैश्विक स्तर पर पर्यावरण के क्षेत्र में सकारात्मक पहल शुरू कर दी। यद्यपि भारत में कोविड से निपटने के लिए अनिवार्य निवारक उपाय शुरू किए गये हैं। लोगों को कोविड–19 से बचाने के लिए सामाजिक दूरी और अनिवार्य लॉकडाउन का पालन करवाया जा रहा है।

जिससे सामाजिक दूरी और सुरक्षा उपायों ने लोगों के बीच संबंधों और दूसरों के प्रति सहानुभूति की भावना को प्रभावित किया है। लॉकडाउन के कारण हमें गंभीर मुद्दों का सामना करना पड़ रहा है। विश्व की अर्थव्यवस्था मंदी के दौर में है और बेरोजगारी दर तेजी से बढ़ रही है। ये मुद्दे लॉकडाउन के नकारात्मक पहलुओं को दर्शाते हैं, लेकिन वास्तव में हम इसके सकारात्मक पहलुओं की भी उपेक्षा नहीं कर सकते हैं। पर्यावरण प्रदूषण में कमी लॉकडाउन का एक प्रमुख सकारात्मक पक्ष प्रतीत होता है। मानव जीवन को बचाने के लिए आर्थिक गतिविधियों को बंद कर दिया गया है। फलस्वरूप यह महामारी गंभीर जनसांख्यिकीय परिवर्तन और बेरोजगारी का कारण बनी और परिवहन और यात्रा उद्योग सबसे बुरी तरह प्रभावित हुए हैं क्योंकि हाल के महीनों में वैश्विक पर्यटन लगभग शून्य हो गया है। यद्यपि प्रतिबंधित आर्थिक गतिविधियों ने सामाजिक क्षेत्र एवं स्वच्छ पर्यावरण की दिशा में सकारात्मक योगदान दिया है। कोरोना काल में जो सामाजिक एवं पर्यावरणीय क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन हुए है वो स्थायी नहीं हैं और भविष्य में इन क्षेत्रों में फिर से स्थितियां असाधारण हो जायेंगी। इसी के साथ इस यह शोध मार्तंड का अंक भी विषम परिस्थितियों से जूझ रहा है फिर भी संपादक मंडल की कर्मठता ही है कि अंक का प्रकाशन संभव हो पा रहा है।

इस अंक में सर्वप्रथम समसामयिकी लेख के क्रम में संपादक महोदय डॉ0 विनय कुमार त्रिपाठी द्वारा वैश्विक स्तर पर कोरोना महामारी का शिक्षा पर प्रभाव जैसे विषय को उपस्थित किया गया। शोध पत्रों के क्रम में डॉ0 अरुण कुमार मिश्र व रंजना मिश्रा द्वारा अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के बालकों की विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन, प्रोफेसर राम मोहन पाठक व पंकज कुमार यादव द्वारा टेलीविजन न्यूज चैनल एवं सोशल मीडिया के अंतर्वस्तु का तुलनात्मक अध्ययन, शिखा तिवारी

ISSN- 2349-3844

द्वारा 'स्मृति की रेखाएँ' संस्मरण का तात्त्विक अनुशीलन, डॉक्टर जीत नारायण यादव द्वारा अध्यापक शिक्षा में निर्देशन एवं परामर्श का प्रशिक्षण समय की मांग, डॉ शैलेश मिश्र द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में अभिनव प्रयोग है अकादमिक बैंक आफ क्रेडिट, इंदुजा दुबे द्वारा गीतरामायणम् में लोकगीतों का परम्परागत प्रयोग : एक अध्ययन, अभिषेक मणि तिवारी द्वारा साहित्य संस्कृति और समाज एक विश्लेषण, डॉक्टर नरेंद्र देव पाठक द्वारा तबले के नामकरण में विभिन्न मतों का विमर्श, डॉ सियाशरण त्रिपाठी द्वारा महात्मा बुध का धार्मिक चिंतन और उनका लोकवादी स्वरूप, डॉक्टर अनिल कुमार द्वारा महाभारत कालीन कृषि एवं पशुपालन उद्योग, धर्मेन्द्र कुमार सिंह द्वारा स्त्री शिक्षा पर रवीन्द्रनाथ टैगोर के शैक्षिक विचार, डॉ राजीव नयन सिंह और शिषिर केसरवानी द्वारा A CRITICAL REVIEW ON CYBER TERRORISM, राम शंकर पाठक द्वारा Religious and Philosophical elements in fine frenzy by A.N. Dwivedi, मोहम्मद इरफान द्वारा Social Realism in Kamala Markandaya's Novels - Nectar in a Sieve and A Handful of Rice, ज्योति मिश्रा द्वारा The Feminist Aspects of Shashi Deshpande's Novel - The Dark Holds No Terror जैसे शोध पत्रिका प्रकाशन किया जा रहा है

पुस्तक समीक्षा के क्रम में पं0 शिवानंद चौबे द्वारा लिखित "**प्रभात**" पुस्तक पर डॉ0 विनय कुमार त्रिपाठी की समीक्षा प्रस्तुत है।

शोध मार्तण्ड का यह अंक आप सभी जनों का ज्ञानवर्धन करते हुए अपनी आभा बिखेरता रहे यही ईश्वर से कामना है।

शोध मार्तण्ड हेतु आपके सुझाव, समसामयिक लेख, शोधपत्र एवं पुस्तक समीक्षाओं की प्रतीक्षा रहेगी।

इन्हीं शब्दों के साथ!

सम्पादक
डॉ0 विनय कुमार त्रिपाठी